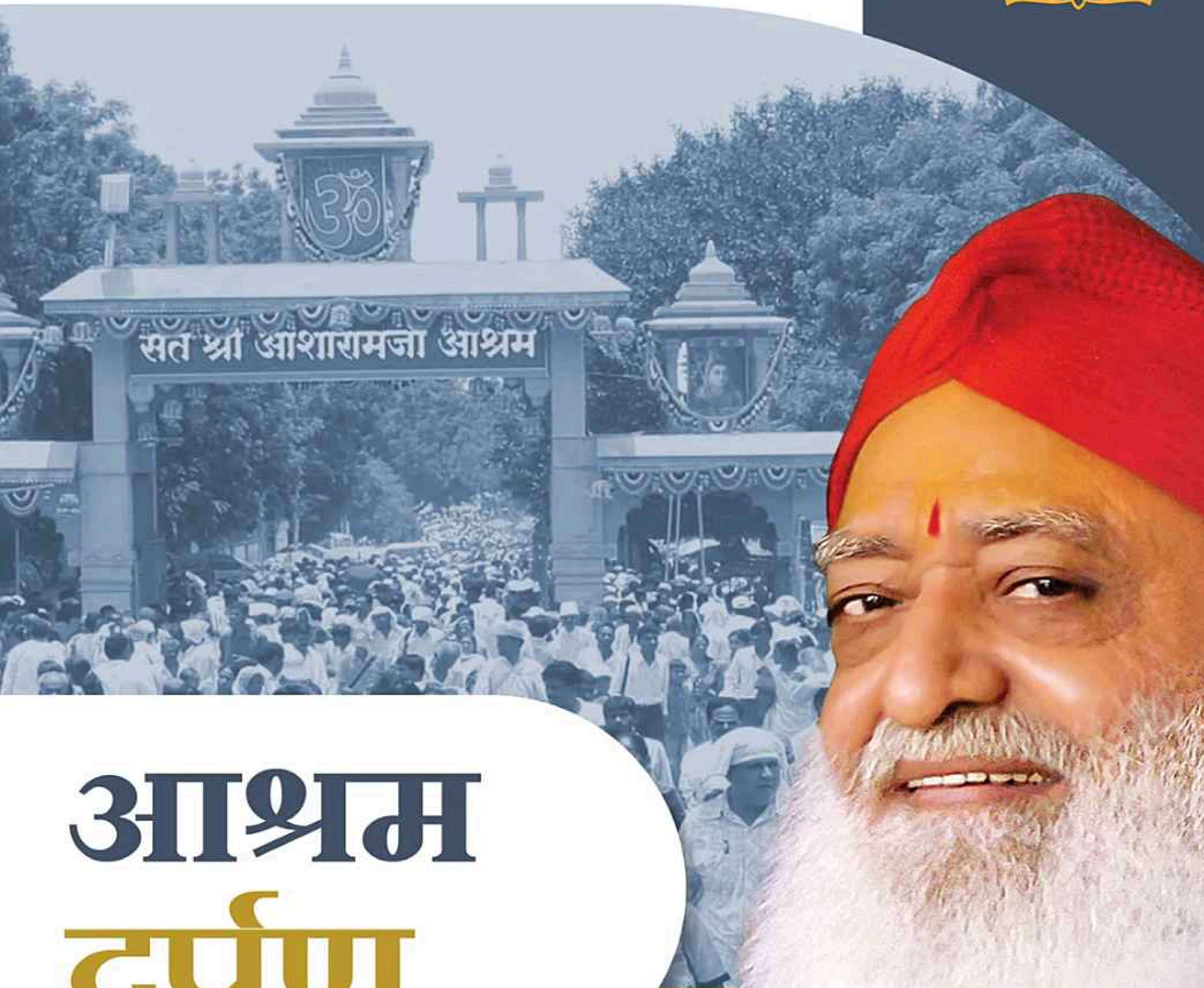

आश्रम दर्पण

2024

DAILY NEWSLETTER

asharamjibapu.org
079-61210-888

सद्गुरु वचनामृत

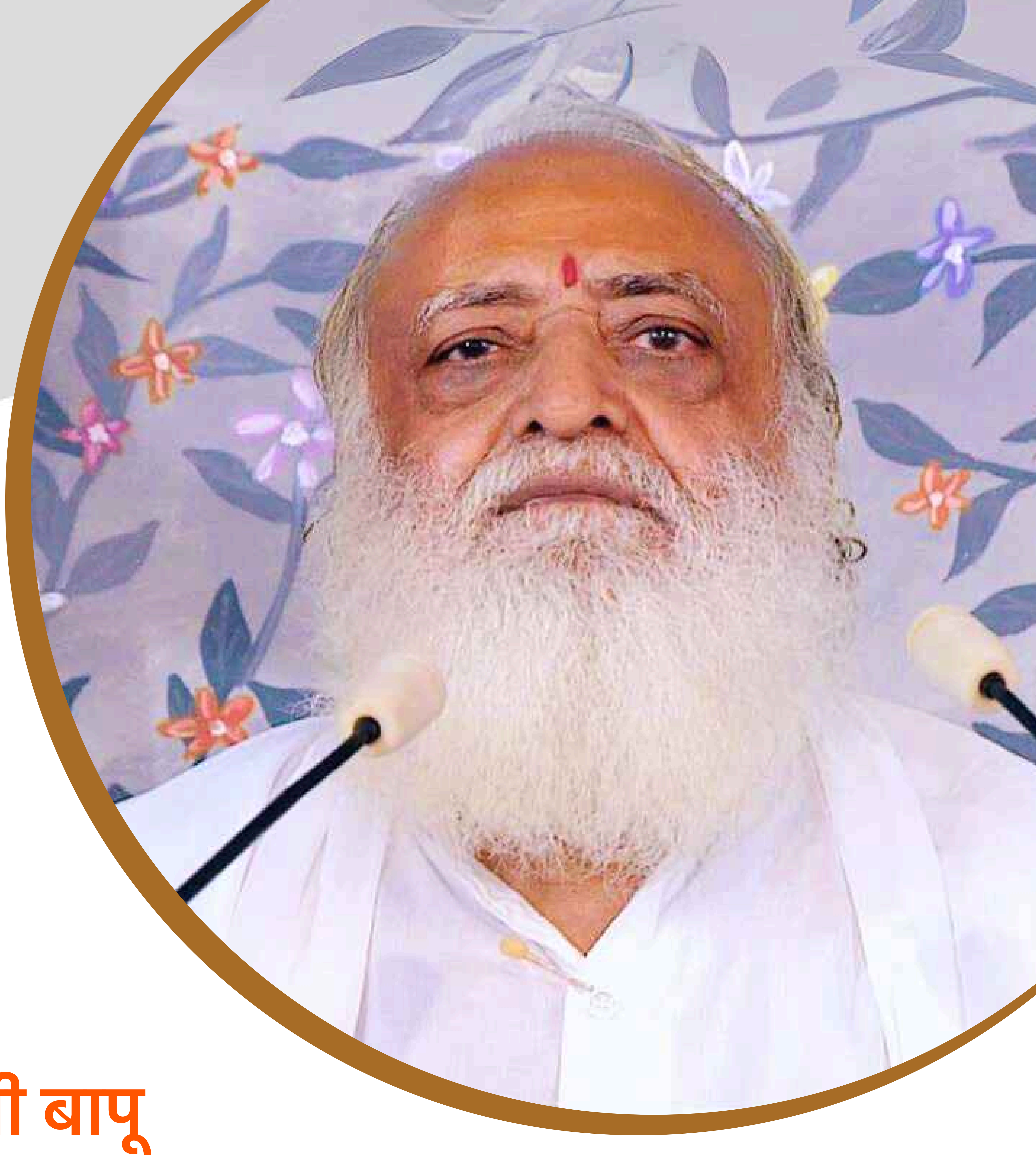

- पूज्य संत श्री आशारामजी बापू

बुरे संग से सदा दूर रहने का संकल्प करो । बुरा संग केवल बुरे मनुष्य का ही नहीं होता, बुरी जगह, बुरा अन्न, बुरी पुस्तकें या ग्रंथ, बुरा दृश्य, बुरी बात, बुरा वातावरण आदि सभी बुरे संग हैं । लगातार के बुरे संग से बुरे परमाणुओं द्वारा अंदर के अच्छे परमाणु जब दब जाते हैं तब बुरी बातें स्वाभाविक ही अच्छी मालूम होने लगती हैं ।

दैनिक पंचांग

विक्रम संवत्
2081

01 जुलाई 2024
(सोमवार)

मास - आषाढ़

तिथि - दशमी सुबह 10:26 तक, तत्पश्चात् एकादशी

सूर्योदय - प्रातः 05:58

सूर्यास्त - संध्या 07:29

विशेष दशमी को कलंबी शाक त्याज्य है | एकादशी को सिम्बी (सेम) और चावल खाना वर्जित है।

(ब्रह्मवैवर्त पुराण, ब्रह्म खंडः 27.29-34)

READ MORE

@asharamjiashram

सत्संग कार्यक्रम

> सत्संग जीवन-शक्ति का विकास करके जीवनदाता में मिल जाने के लिए परम श्रेष्ठ साधन हैं ।

पूज्य संत श्री आशारामजी बापू

साध्वी सुशीला बहन द्वारा
गीता भागवत सत्संग

दिनांक : 1 जुलाई 2024, दोपहर 3 बजे से

स्थान - संत श्री आशारामजी आश्रम,भाना रोड, कांकरोली (राजस्थान)
संपर्क: 9829009784, 7568781012, 9413479845

दिनांक : 2 जुलाई 2024, शाम 4 बजे से

स्थान : श्री झूलेलाल भवन, शक्ति नगर, उदयपुर (राजस्थान)
संपर्क: 9829144566, 9928041185, 8078624030

asharamjibapu.org

योग वेदांत सेवा समिति

कटनी (म.प्र.)

बेंगलुरु (कर्नाटक)

भगवन्नाम कीर्तन, श्री आशारामायण पाठ, वैदिक यज्ञ-हवन आदि कार्यक्रमों द्वारा बापूजी के प्यारे साधक गाँव-गाँव, शहर-शहर महका रहे हैं आध्यात्मिकता की महक !

योग वेदांत सेवा समिति

हरिनाम संकीर्तन प्रभात फेरी एवं घर-घर पहुँचाया जा रहा है शास्त्रों का सार 'ऋषि प्रसाद व लोक कल्याण सेतु' का दिव्य ज्ञाननामृत !

दुर्ग, राजनांदगांव (छ.ग.)

योग वेदांत सेवा समिति

अखिल भारतीय श्री योग वेदांत सेवा समिति
॥ सेवा हि परमो धर्मः ॥

आध्यात्मिक उन्नती हेतू सेवा साधना शिविर का आयोजन

बाल संस्कार केंद्र

विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए 'योग व उच्च संस्कार शिक्षा कार्यक्रम'

नुआपाड़ा (ओड़िशा)

asharamjibapu.org

बाल संस्कार केंद्र

'दिव्य संस्कार से दिव्य जीवन' की कुंजियाँ बाँटते बापूजी के बाल संस्कार केंद्र तथा विद्यार्थी शिविर

भोपाल (म.प्र.)

बाल संस्कार केंद्र

सफल जीवन हेतु सुसंस्कारों का सिंचन करते विद्यार्थी

मोटेरा आश्रम-अहमदाबाद (गुज.)

बाल संस्कार केंद्र

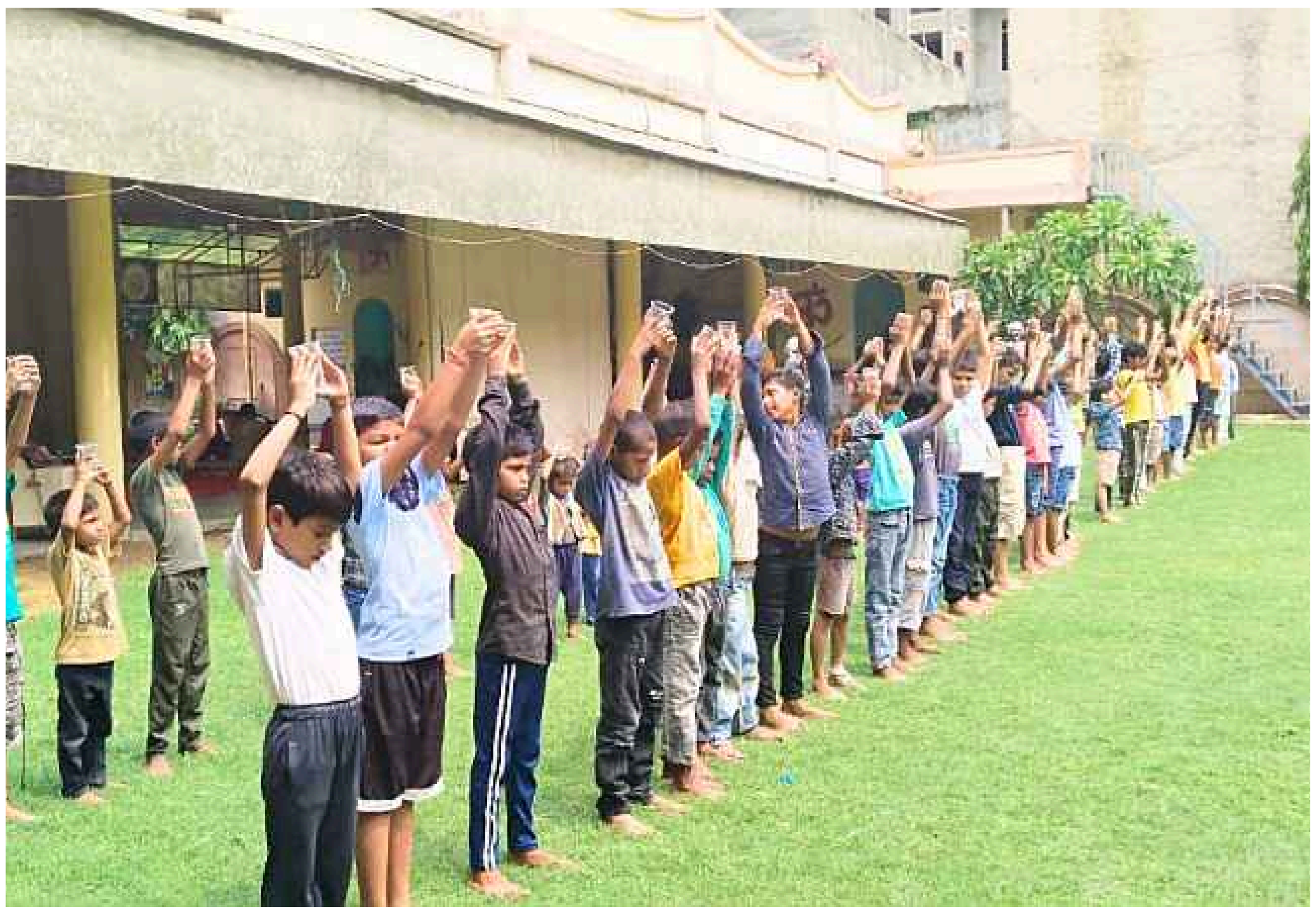

बापूजी के तेजस्वी बच्चे सीख रहे लौकिक ज्ञान सहित आध्यात्मिक उन्नति का सहज मार्ग

गुरुग्राम आश्रम (हरि.)

महिला उत्थान मंडल

आध्यात्मिक साधना, ध्यान, भजन में आगे बढ़ने हेतु घर-घर हो रहा श्री आशारामायण पाठ का आयोजन

ऋषि प्रसाद,
लोक कल्याण सेतु

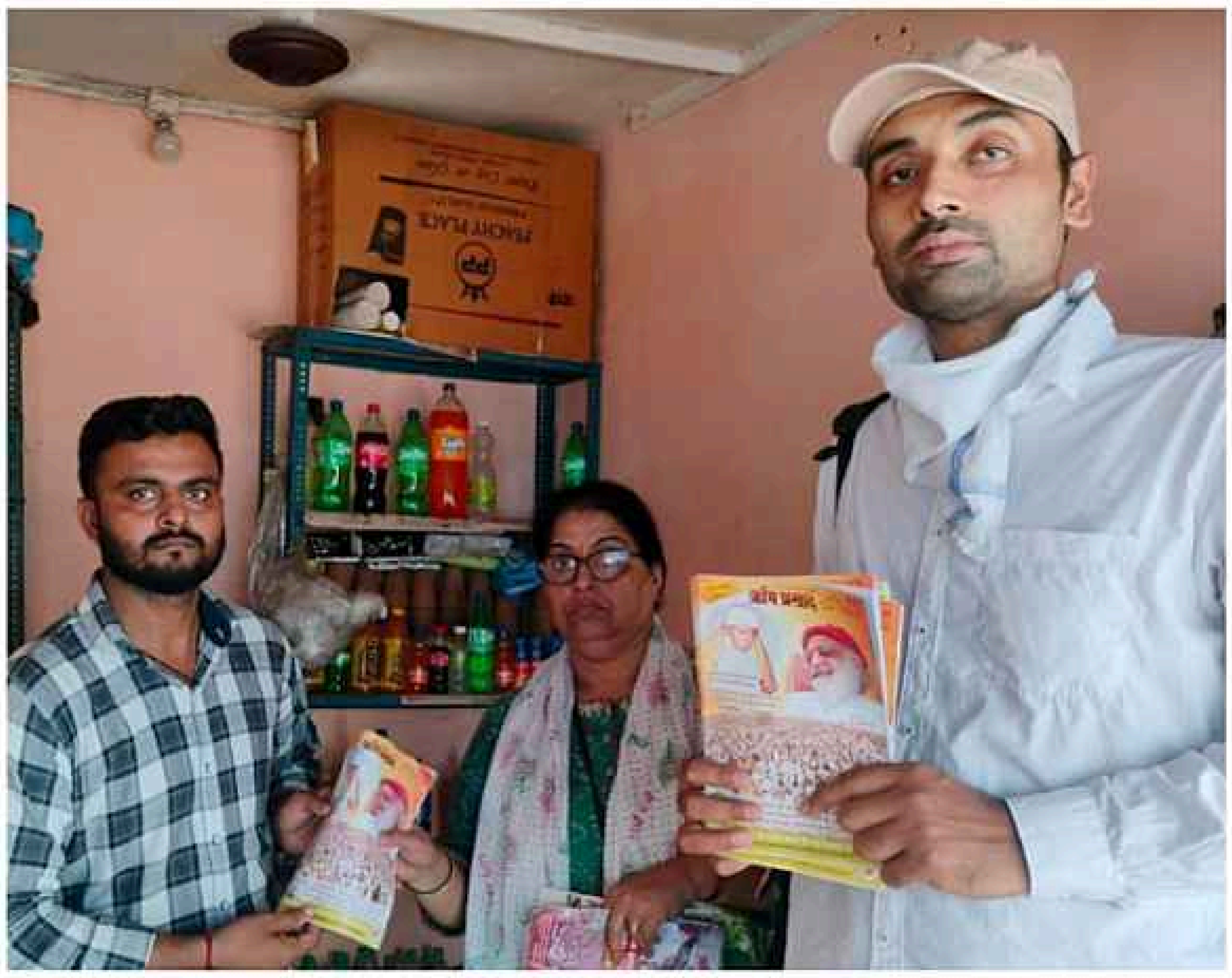

जीवन में खुशहाली लाने वाली ऋषि प्रसाद पत्रिका सत्साहित्य का हुआ वितरण

गाज़ियाबाद (उ.प्र.)

भोजन कब करें

रात को देर से भोजन नहीं करना चाहिए । जितना देर से भोजन करोगे उतना अम्लपित्त, अजीर्ण होता है । सुबह-शाम खाली पेट वज्रासन में बैठो, श्वास बाहर निकाल दिया और पेट को 25 बार अंदर-बाहर किया । मन में अग्निदेव के बीजमंत्र 'रं-रं...' का जप किया, फिर श्वास ले लिया । ऐसा 5 बार करो, कितनी भी मंदाग्नि हो, अम्लपित्त हो और कंधे आदि में दर्द होता हो, सब अपने-आप दूर हो जाता है ।

जनता की आवाज

30 june, 2024 Live

For you Trending News Sports

4 · Only on X · Trending

#SanatanSanskriti

12K posts

6 · Trending

Culture Preservation

12K posts

सत्साहित्य अमृत

ASHRAM eSTORE

Buy online :
www.ashramestore.com

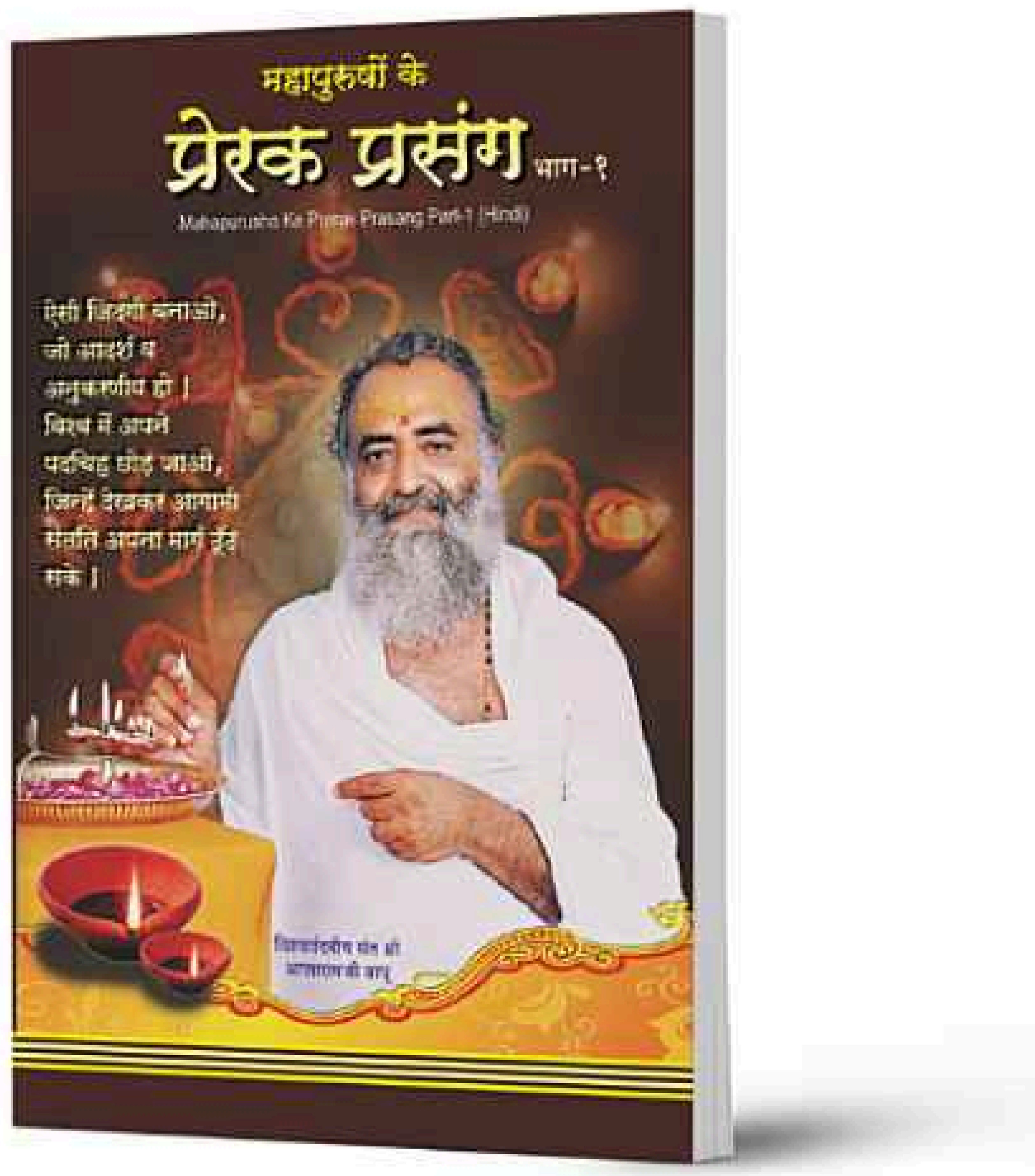

सत्प्रसंगों की ऐसी महिमा है कि उन्हें पढ़ते-सुनते उनमें रुचि पैदा होती है । धीरे-धीरे वह रुचि उनमें गुणबुद्धि रखने लगती है । फिर तो यह मार्ग सिद्धांत-सा बनकर मस्तिष्क में छा जाता है और हम वैसे ही बन जाते हैं । ऐसे परम पवित्र, जीवनोद्धारक प्रसंगों को आत्मनिष्ठ पूज्य संत श्री आशारामजी बापू की अमृतवाणी के माध्यम से आपके हृदय में उतारने का प्रयास है 'महापुरुषों के प्रेरक-प्रसंग' सद्ग्रंथ ।

पूज्य संत श्री आशारामजी बापू की पावन अमृतवाणी से संकलित

सत्साहित्य अमृत

विशेष : ५०० रु. या उससे अधिक का सत्साहित्य लेने पर डाक खर्च की छूट

LATEST VIDEO

SUBSCRIBE

Sant Shri Asharamji Bapu

Sant Shri Asharamji Ashram

Mangalmay Digital

OFFICIAL YOUTUBE CHANNELS

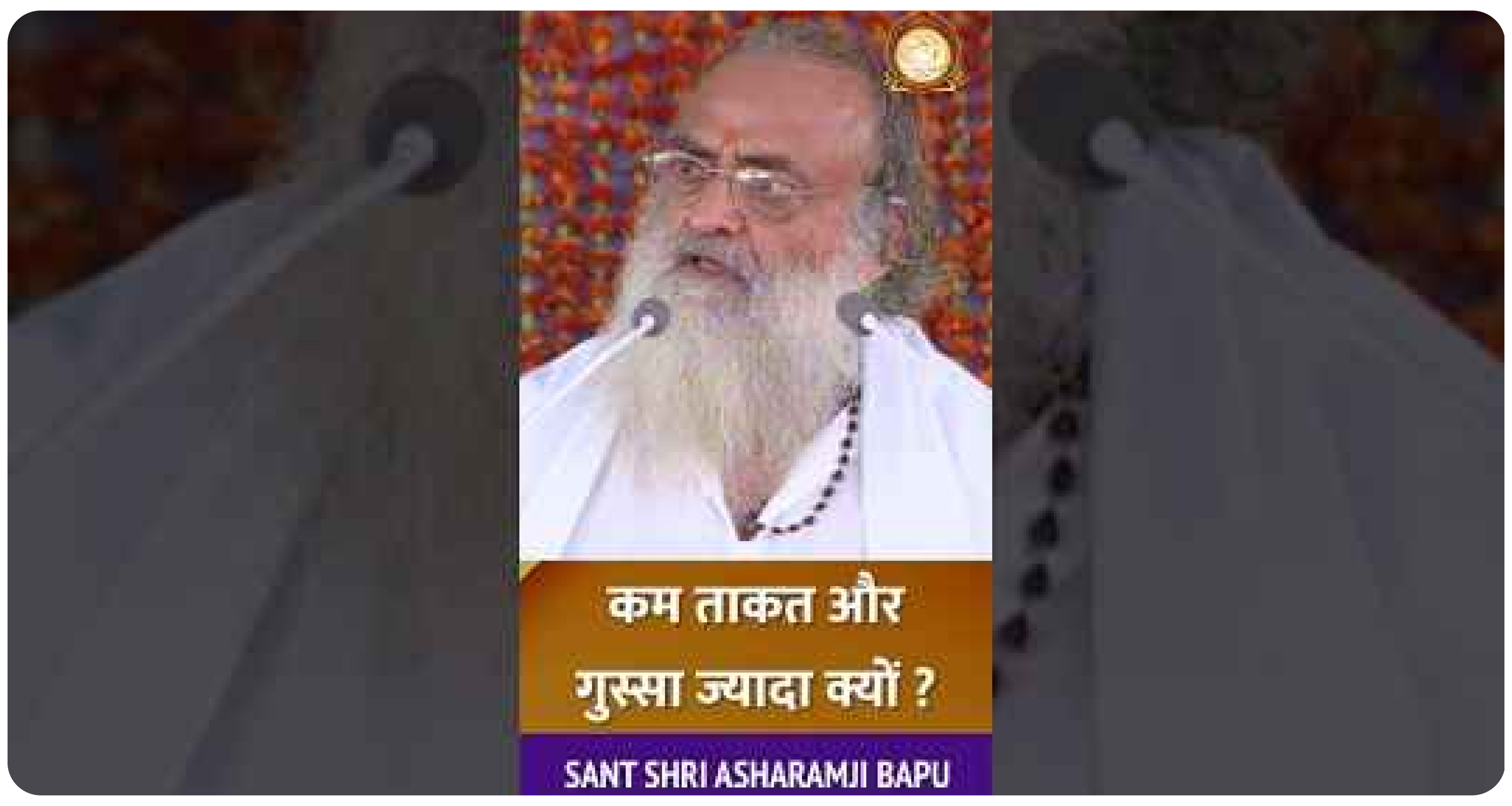

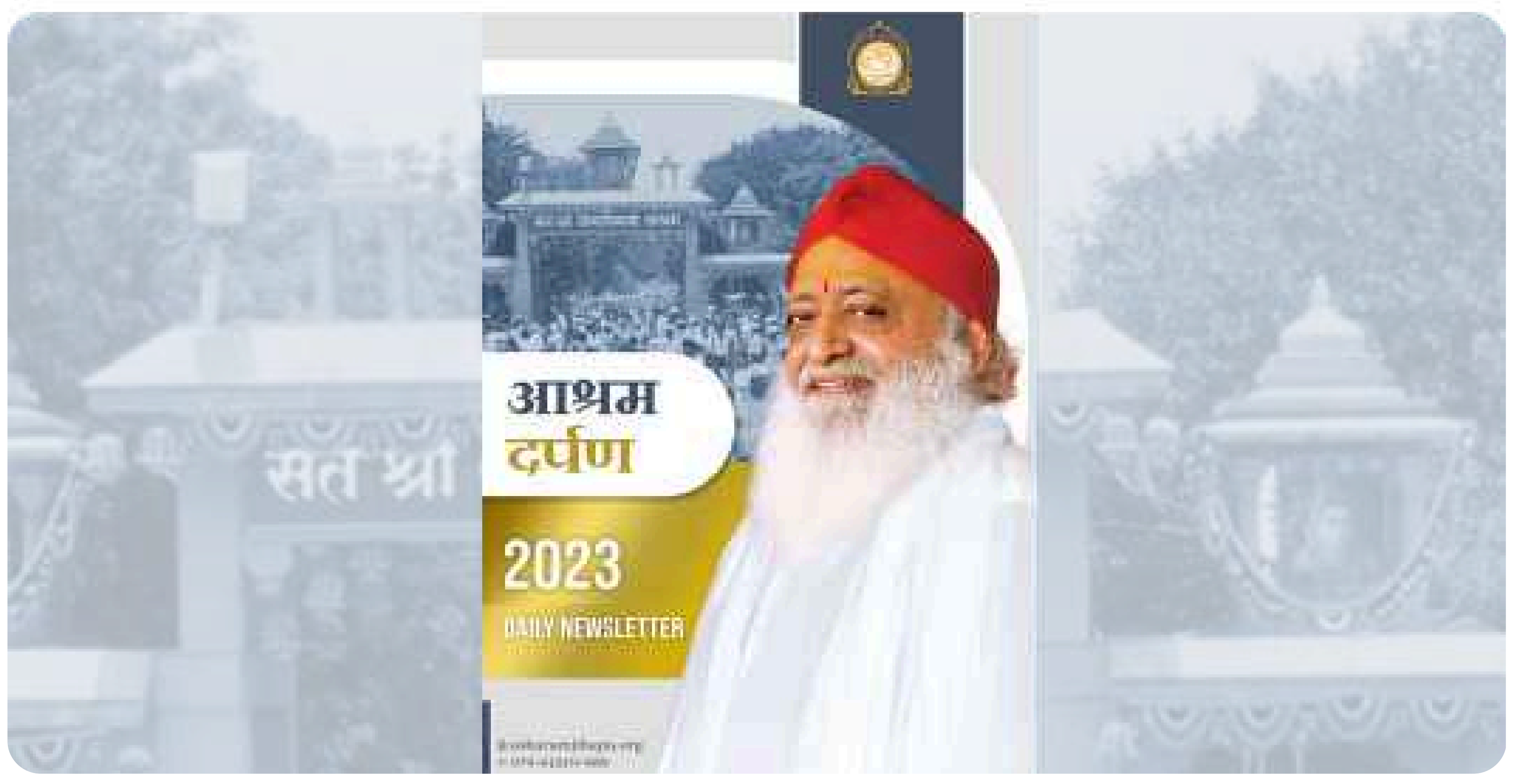

(वीडियोज देखने हेतु नाम से सर्च करें या
PDF FILE में THUMBNAIL को TOUCH करें)

asharamjibapu.org

भारत की राष्ट्रीय एकता-अखण्डता व शांति के प्रबल समर्थक परम पूज्य **संत श्री आशारामजी बापू** ने राष्ट्र के कल्याणार्थ अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया है । उनकी संस्था द्वारा आज भारत ही नहीं वरन् समस्त विश्व में लोकहितकारी प्रवृत्तियों का शंखनाद हो रहा हैं।